ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekad ,Q@,xk@,xkeV-@25 fnukd 12.09.2025
ftyk& chdkuj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 12 सितम्बर 2025 से 16 सितम्बर 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 30.4 से 33.9 °C एवं न्यूनतम तापमान 21.8 से 24.3 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 60 से 95% रही।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (09.09.2025 से 13.09.2025) 12.09.2025 से 15.09.2025 तक आंशिक बादल छाए रहने, 16.09.2025 को स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 25.0-26.0°C और अधिकतम तापमान 35.0-36.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दधिणी दधिणी पधिमी, दधिणी पधिमी और दधिणी दधिणी पधिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	12.09.2025	13.09.2025	14.09.2025	15.09.2025	16.09.2025
वर्षा) एम.एम. (	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश
अधिकतम तापमान °C)	**35**	**36**	**36**	**35**	**35**
न्यूनतम तापमान (°C)	**25**	**26**	**25**	**25**	**26**
वायु दिशा	दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**31**	**29**	**28**	**28**	**30**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**59**	**51**	**55**	**62**	**59**
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**17**	**16**	**18**	**19**	**18**
वर्षा) एम.एम. (	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
विशेष सलाह			घने मौसम के दौरान पत्तियों पर रसायनों का छिड़काव न करें। भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूँद बचाएँ। मौजूदा और पूर्वानुमानित मौसम की स्थिति खड़ी खरीफ फसलों में रोग और कीटों के हमले की संभावना बढ़ा सकती है। इसलिए, फसलों और बागों में कीटों और बीमारियों के संक्रमण का पता लगाने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें। ग्वार और दलहन फसलों में रसचूसक कीटों (जैसिड, सफेद मक्खी, थ्रिप्स आदि) के नियंत्रण के लिए, एसिटामिप्रिड या थियामेथोक्साम का 3 ग्राम/10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
मूंगफली	शाखाएँ निकलना/ पेगिंग	पीलेपन का उपचार	मूंगफली की खड़ी फसल में पीलेपन के लक्षण दिखाई देने पर 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट 0.1 प्रतिशत साइट्रिक अम्ल का छिड़काव करे।
		व्याधि उपचार	आने वाले दिनो में मौसम की परिस्थितियों के कारण मूँगफली की फसल में टिक्का रोग के प्रकोप की संभावना है। अतः किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए मेंकोजेब या क्लोरोथेलोनेल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से प्रयोग करें।
		सिंचाई	**मूंगफली की फसल में** नमी का रखरखाव एक आवश्यक गतिविधि है।
सभी फसलें	प्रजनन	सिंचाई	वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को फसलों की सिंचाई बंद कर देनी चाहिए।
उद्यानिकी		बाग लगाने एवं सिंचाई	किन्नों और बेर के नये बाग लगाने हेतु 6 मीटर x 6 मीटर की दूरी पर 1 मीटर x 1 मीटर आकार के गड्ढों की खुदाई कर 20 दिन खुला छोड़ देंवे। खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू के बगीचे में नियमित अन्तराल पर सिंचाई करें।
पशुधन		खाद्य, एंव पोषक प्रबंधन	पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ।
		रोग	मौसमी स्थिति को देखते हुए पलटू पशुओ में खुरपका-मुंह पका, लंगड़ी बुखार वी गलघोंटू जैसी बिमारियो के प्रति टीका लगवाएं।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा